Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 1st Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	संस्कृत नीति-काव्य एवं व्याकरण

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर नीति-काव्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीति-काव्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्य-बोध कर सकेंगे।
3. नीति-काव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी ।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6		Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 10+30=40
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	नीतिशतकम् भर्तृहरि (प्रारम्भ की पांच पद्धतियाँ) - संस्कृत नीतिसाहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीति साहित्य को योगदान, मूर्ख पद्धति, विद्वत्पद्धति, मान-शौर्य-पद्धति, अर्थपद्धति, दुर्जनपद्धति ।	17
Unit- II	हितोपदेश- मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)- नीति कथाओं का विकास एवं महत्त्व, पं० नारायण का जीवनवृत्त एवं कृतियों का परिचय हितोपदेश की प्रथम दो कथाओं का सारांश (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा). अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी ।	16
Unit- III	व्याकरण- संज्ञा प्रकरणम्-माहेश्वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञा प्रकरण से सूत्र संख्या- 1/3/31/1/60. 1/3/9, 1/1/71 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9. 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 1/4/141	17
Unit- IV	व्याकरण- शब्दरूप लेखन मात्र राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद् ।	10
Unit- v	धातुरूप पठ् गम्, भू. कृ. लिख- पाँचों लकारों में लेखन मात्र लट्, लृट्, लोट्, लड़ एवं विधिलिंङ ।	10
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		70 20 Total- 90

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 2nd Semester
Subject- Sanskrit
Paper-II

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य में प्रयुक्त रस छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तिों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	रघुवंशम् - कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग 01 से 25 श्लोक पर्यन्त संस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं. रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं काव्यगत विशेषताएं।	17
Unit- II	रघुवंशम् कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग - 26 से 50 श्लोक पर्यन्त - श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न	16
Unit- III	छन्द परिचय लक्षण एवं उदाहरण- अनुष्टुप् आर्या, इन्द्रवज्रा वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता । अलंकार परिचय लक्षण एवं उदाहरण- अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति ।	17
Unit- IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदासकृत, 1 4 अंक - श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न ।	10
Unit- v	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)- नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन एवं भरतवाक्य।	10
1. Class Room Lectures		70

2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.	20 Total- 90

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 2nd Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	संस्कृत भाषा अध्ययन
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न हो सकेंगी। 2. संस्कृतभाषा को स्नातक-कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञानवर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं। 3. संस्कृत भाषा के ज्ञान से नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक मूल्यों को समझ कर अपना लक्ष्य पूर्ण कर सकते हैं। 4. संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।		

Credits: 4	Minor/ Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	संज्ञा प्रकरण माहेश्वरसूत्र प्रत्याहार, संस्कृत वर्णमाला परिचय एवं वर्णों के उच्चारण स्थान । संन्धि प्रकरण-अच्सन्धि (दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, यण् सन्धि वृद्धि सन्धि, अयादि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि एवं पररूप सन्धि ।	15
Unit- II	शब्दरूप लेखनमात्र राम, हरि, रमा, फल । धातुरूप लेखनमात्र- पठ् गम, भू दा । (पंचलकार- लट् लृट्, लोट्, लङ् विधिलिङ्) सर्वनामरूप लेखनमात्र - अस्मद् युष्मद् ।	05
Unit- III	01 से 100 तक संख्यालेखन| दैनिकव्यावहारिक प्रचलित प्रशासनिक अंग्रेजी शब्दों का संस्कृतरूप । शब्दावली- शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्य पदार्थ शब्दावली ।	05
Unit- IV	कारकप्रयोग प्रत्यय परिचय, उपसर्ग परिचय, अव्ययपरिचय, वाष्यपरिवर्तन ।	14
Unit- V	पत्रलेखन शासकीयपत्र एवं अशासकीयपत्र । हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद |	10
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		49 11 Total- 60

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 3rd Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	काव्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे। 2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा। 3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें। 4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।		

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	किरातार्जुनीयम् भारवि प्रथम सर्ग - 01 से 50 श्लोक पर्यन्त- महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न ।	17
Unit- II	शिवराजविजयम् अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम-ग्रन्थ परिचय कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न |	16
Unit- III	भारतीय संस्कृति- भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य वर्णाश्रम व्यवस्था ।	10
Unit- IV	सन्धिप्रकरणम्- अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह) । विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह) ।	15
Unit- v	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से सूत्रसंख्या- 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/21/4/51. 1/4/54, 1/4/42. 2/3/18, 1/4/322/3/13, 2/3/16, 1/4/24 2/3/28 2/3/50. 1/4 / 45 एवं 2 / 3 / 36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण ।	12
3. Class Room Lectures 4. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		70 20 Total- 90

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 4th Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे। 2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे। 3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा। 4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे 5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होंगा।		

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	शिशुपालवधम्- प्रथम सर्ग -01 से 50 श्लोक पर्यन्त संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न ।	17
Unit- II	कादम्बरी बाणभट्ट, शुकनासोपदेश- गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	16
Unit- III	दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका) विश्रुतचरितम् दण्डीकृत- दशकुमारचरितम् का संक्षिप्त परिचय गद्यकार परिचय विश्रुतचरितम् के अनुच्छेदों की व्याख्या टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न । |	10
Unit- IV	(अ) प्राचीन संस्कृत साहित्यकार का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा- वाल्मीकि, व्यास, भास, भवभूति शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी, हर्षदेव, श्रीहर्ष । (ब) अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकार का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका	15

	योगदान यथा अम्बिकादत्त व्यास, शिवप्रसाद भारद्वाज, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, राधाबल्लभ त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, रेवा प्रसाद द्विवेदी ।	
Unit- v	निबन्ध लेखन (संस्कृत भाषा में) संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योग, परोपकार, स्त्रीशिक्षाः, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम् ।	12
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		70 20 Total- 90

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 3rd/ 4th Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे। 2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे। 4. विद्यार्थी प्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।		

Credits: 4	Minor/ Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय- महाभारत का संक्षिप्त परिचय महर्षि वेद व्यास का संक्षिप्त परिचय एवं श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का परिचय |	05
Unit- II	श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्ययोग- श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अन्तर्गत सांख्ययोग से सम्बन्धित विषय विवेचन |	10
Unit- III	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग- श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय में निहित कर्म सिद्धान्त का विवेचन	10
Unit- IV	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग- श्रीमदभगवद्गीता के सम्पूर्ण अध्यायों में निहित ज्ञानयोग की विवेचना एवं महत्त्व	14

Unit- v	श्रीमद्भगवद्गीता में प्रबन्धन- श्रीमद्भगवद्गीता के वर्णित प्रबन्धन का विवेचन एवं मानवजीवन में प्रबन्धन की उपयोगिता	10
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		49 11 Total- 60

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 5th Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे। 2. भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। 3. दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा । 4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेंगा।		

Credits: 5		Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 10+30=40
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	साहित्यदर्पण षष्ठ परिच्छेद 01 कारिका से 150 कारिका पर्यन्त-काव्यशास्त्र का उद्भव एवं विकास, साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय आचार्य विश्वनाथ का परिचय कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी ।	15
Unit- II	साहित्यदर्पण षष्ठ परिच्छेद 151 कारिका से लेकर समाप्ति पर्यन्त कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न	12
Unit- III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त- ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, सूत्रों की व्याख्या टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न ।	14
Unit- IV	(तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त सूत्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न । ।	12

Unit- v	व्याकरण- प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत् अनीयर ण्वलु तृच् क्त् क्तवतु क्तिन् तुमुन् एवं घञ (लघुसिद्धान्तकौमुदी)- प्रत्यय परिचय, सूत्रों का व्याख्या, उदाहरण ।	12
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		65 10 Total- 75

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 5th Semester

Subject- Sanskrit

Paper-II

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
2. पुराणों के अध्ययन से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
3. स्तोत्र काव्य के अध्ययन से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
4. स्तोत्र काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	उपनिषदों का सामान्य परिचय- उपनिषद् का अर्थ, उपनिषद् की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व ।	12
Unit- II	कठोपनिषद (प्रथम अध्याय) - कठोपनिषद का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न ।	15
Unit- III	पुराणों का सामान्य परिचय एवं महत्त्व पुराण का अर्थ प्रमुख पुराणों का परिचय, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व	14
Unit- IV	श्रीमद्भागवद् पुराण का "नारायण कवच - श्रीमद्भागवद् पुराण परिचय, महत्त्व एवं नारायण कवच का महत्त्व	12
Unit- v	स्तोत्र काव्य का सामान्य परिचय एवं आदित्यस्तोत्र स्तोत्र काव्य का अर्थ, स्तोत्र	12

	काव्य परम्परा, महत्त्व, आदित्यस्तोत्र की श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी ।	
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		65 10 Total- 75

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 5th Semester
Subject- Sanskrit
Paper- Project

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	लघुशोध अध्ययन एवं कार्य संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्व
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत रूपकों एवं नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए नाट्यशास्त्रीय अध्ययन सहायक होगा। 3. विद्यार्थी रूपकों के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।		

Credits: 4		Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks: 10+30=40
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	लघुशोध कार्य की भूमिका उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि का संक्षिप्त परिचय	20
Unit- II	संस्कृत साहित्य एवं संस्कृतसाहित्य की विधाओं का सामान्य परिचय, रूपक का सामान्य परिचय एवं रूपक भेद	20
Unit- III	नाट्यशास्त्र का सामान्य अध्ययन- नाट्यशास्त्र का परिचय, नाट्यशास्त्र के तत्त्वों का सामान्य परिचय, रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का अन्वेषण एवं महत्त्व |	20
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		Total- 60

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 6th Semester
Subject- Sanskrit
Paper-I

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	वेद एवं वैदिक साहित्य
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होगा। 3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा। 4. वर्तमान समय में वेदांग के ज्ञान द्वारा मानव कल्याणार्थ अग्रसर होंगे।		

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	वेद ऋग्वेद अग्निसूक्त 1/1 अक्षसूक्त 10/34. पुरुषसूक्त 10/90- वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	15
Unit- II	यजुर्वेद- शिवसंकल्पसूक्त सूक्त का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit- III	अथर्ववेद- पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त सूक्त का संक्षिप्त परिचय महत्त्व अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी । Unit IV वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनका महत्त्व ।	12
Unit- IV	वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनका महत्त्व ।	14
Unit- v	वेदांग परिचय- वेदांग का अर्थ, शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं महत्त्व	12

1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.	65 10 Total- 75

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 6th Semester
Subject- Sanskrit
Paper-II

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	स्मृति एवं कौटिलीय अर्थशास्त्र
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे। 3. याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 4. कौटिल्य अर्थशास्त्र के अध्ययन से अर्थनीति एवं राजनीति के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।		

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय स्मृति का अर्थ, स्मृति साहित्य का परिचय महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय	09
Unit- II	मनुस्मृति, सप्तम अध्याय- 01 से 50 श्लोक पर्यन्त मनुस्मृति का प्रतिपाद्य विषय, मनुपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी ।	14
Unit- III	याज्ञवल्क्य स्मृति, आचाराध्याय गृहस्थधर्म प्रकरण (श्लोक 97 से 128 पर्यन्त)- याज्ञवल्क्य स्मृति का प्रतिपाद्य विषय याज्ञवल्क्य परिचय श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit- IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय- कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय आचार्य कौटिल्य परिचय, कौटिल्य अर्थशास्त्र का महत्त्व एवं समीक्षात्म प्रश्न	14
Unit- v	कौटिलीय अर्थशास्त्र (विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण के प्रथम प्रकरण पर्यन्त)- प्रथम प्रकरण के अंशों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न |	14
1. Class Room Lectures		65

2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.	10 Total- 75

Teaching Action Plan

National Education Policy-2020

(B.A. Program)

B.A. 6th Semester
Subject- Sanskrit
Paper- Project

ATUL KUMAR MISHRA
Assistant Professor
Govt. Degree College Amori

Course Code:	Course Title	लघुशोध अध्ययन एवं कार्य- वेद में योग का स्वरूप
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी शोध के माध्यम से वेद एवं योगशास्त्र से परिचित होंगे। 2. भारतीय योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे। 3. योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे जिसके अनुप्रयोग से स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे		

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit- I	लघुशोध कार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि उपादेयता ।	20
Unit- II	वेद एवं योग परिचय- वेद का अर्थ, योग का अर्थ एवं परिभाषा ।	20
Unit- III	वेद में योग का स्वरूप ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद् एवं श्रीमद्भगवत गीता के सन्दर्भ में।	20
1. Class Room Lectures 2. Tutorial, Assignment Class Room Seminars, Group Discussion etc.		Total- 60